पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा – 2017

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष

विषय : जैन विद्या

प्रथम पत्र – ज्ञान मीमांसा एवं प्रमाण मीमांसा

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1 जैन दर्शन के अनुसार ज्ञान का स्वरूप विवेचित कीजिए।

Describe the nature of knowledge according to Jain Philosophy.

अथवा / OR

श्रुतज्ञान को परिभाषित करते हुए उसके भेदों को स्पष्ट कीजिए।

Define the Shrutgyan and explain the types of it.

प्र. 2. अवधिज्ञान को परिभाषित करते हुए इसके भेदों को स्पष्ट कीजिए।

Define Avadhigyan and explain the types of its.

अथवा / OR

केवलज्ञान का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

Explain the nature of Kevalgyan.

प्र. 3. जैन दर्शन के अनुसार प्रमेय का स्वरूप क्या है? समझाइये।

Explain the nature of object according to Jain Philosophy.

अथवा / OR

न्याय किसे कहते हैं, उसके प्रमुख अंगों का विवेचन कीजिए।

What is Nyaya? Describe its main parts.

प्र. 4. जैन दर्शन में प्रमाण का स्वरूप एवं भेदों को स्पष्ट कीजिए।

Explain the nature and types of Praman in Jain Philosophy.

अथवा / OR

जैन दर्शन के अनुसार सर्वज्ञ की सिद्धि कीजिए।

Prove the Omniseience (Sarvagya) according to Jain Philosophy.

प्र. 5. किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिये–

Write the short notes on any four-

(i) तर्क / Inductive Reasoning.
(ii) निगमन / Conclusion.
(iii) दर्शन / Intuition (Darshan)
(iv) मनः पर्यवज्ञान / Mind-reading knowledge
(v) पारमार्थिक प्रत्यक्ष / Parmarthik Pratyaksha.
(vi) आगम / Verbal Testimony (Aagam)

♦♦♦

''वर्तमान मानव जीवन और जैन जीवन शैली'' पर निबन्ध लिखिए।

Write an essary or "Present human life and Jain way of life.

प्र. 4. व्यसन से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।

What do you know about addiction? Explain it.

अथवा / OR

'स्वस्थ शरीर और सदाचार' विषय पर निबन्ध लिखिए।

Write an essay on healthy body and good conduct.

प्र. 5. किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिये–

Write the short notes on any four-

(i) मांसाहार के प्रभाव / Effects of Non-veg.

(ii) धूम्रपान के प्रभाव / Effects of Smoking.

(iii) प्राणशक्ति / Vital Energy.

(iv) ईश्वरवाद / Theology.

(v) अनेकान्तवाद / Non-absolutism.

♦♦♦

पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा – 2017

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष

विषय : जैन विद्या

द्वितीय पत्र – जैन दर्शन और विज्ञान

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. प्राणशक्ति का आध्यात्मिक महत्त्व लिखिए।

Write the spiritual importance of vital energy.

अथवा / OR

साधना में शरीर के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।

Explain the importance of body in spiritual way.

प्र. 2. आत्मा एवं पुनर्जन्म के सम्बन्ध पर प्रकाश डालिए।

Throw the light on the relation of Soul and Rebirth.

अथवा / OR

परामनोविज्ञान क्या है? स्पष्ट कीजिए।

Explain what is parapsychology?

प्र. 3. मानव शरीर और शाकाहार के अन्तःसम्बन्ध को स्पष्ट कीजिए।

Explain the inter-relation of Human body and vegeterianism.

अथवा / OR

अथवा / OR

जॉन मिल के उपयोगितावाद सिद्धान्त पर प्रकाश डालें।

Throw light on the utilitarianism of John Mill.

प्र. 4. हेगल के आत्मपूर्णतावाद के सिद्धान्त पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the doctrine of Self Perfictionism of Hegal.

अथवा / OR

विकासवाद नीतिशास्त्र के प्रमुख तत्त्व क्या हैं? स्पष्ट करें।

What are the main features of evalution any Ethics? Explain it.

प्र. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए –

Write short notes on any four of the following-

(i) गीता का नैतिक दर्शन / Ethics of the Geeta.

(ii) अन्तः प्रज्ञावाद / Anta Pragyawada

(iii) अनुकम्पा (आचार्य भिक्षु) / Anukampa (Acharya Bhikshu)

(iv) सद्गुणों का स्वरूप / Nature of Sadgunas

(v) अहिंसा (गांधी) / Non-violence (Gandhi)

(vi) चार पुरूषार्थ / Four Purushartha.

(vi) शुभ संकल्प (काण्ट) / Good Will (Kant)

♦♦♦

पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा – 2017

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष

विषय : जैन एवं जैनेतर दर्शन

प्रथम पत्र – नीति शास्त्र

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. नीतिशास्त्र को परिभाषित करते हुए उसके स्वरूप पर प्रकाश डालें।

Define Ethics and also explain its nature.

अथवा / OR

नीतिशास्त्र का अन्य शास्त्रों के साथ सम्बन्ध स्पष्ट कीजिए।

Explain the relationship of Ethics with other disciplines.

प्र. 2. प्लेटो के नैतिक दर्शन को तीन विभागों में बांटते हुए वर्णन करें।

While distributing Platos moral philosophy in three parts describe it.

अथवा / OR

युनानी नैतिक दर्शन के विकास का समीक्षात्मक अध्ययन कीजिए।

Write a critical study of the development of Greek Ethics.

प्र. 3. स्वार्थवाद के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उसका वर्गीकरण कीजिए।

Explain the nature of Egoism and classify it.

योगाचार के सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।
Describe the theory of Yogachara.

प्र. 4. जैन दर्शन के अनुसार ''त्रिपदि'' क्या है? स्पष्ट कीजिए।
Explain what is "Tripadi" in Jain Philosophy.

अथवा / OR

जैन दर्शन में 'नय सिद्धान्त' का महत्त्व लिखिए।
Write an importance of the theory of Naya in Jainisim

प्र. 5. किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिये–
Write short note on any four-

(i) नित्यानित्यवाद / Eternal-non-enternal
(ii) आत्मदेहपरिमाणवाद / Bodily pervadeness of soul
(iii) चार्वाक दर्शन / Charvaka philosophy
(iv) दुर्नय / False stand point.
(v) सप्तभंगी / Sevenfold prediction.

♦♦♦

पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा – 2017

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष

विषय : जैन एवं जैनेतर दर्शन

द्वितीय पत्र – जैन दर्शन के दार्शनिक सिद्धान्त

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. स्याद्वादमंजरी ग्रन्थ के लेखक का परिचय लिखिए।
Write an introduction of author of Syadvadamanjari Text.

अथवा / OR

समवाय से आप क्या समझते हैं। लिखिए।
Write what do you know to Samvaya.

प्र. 2. भारतीय दर्शन में मोक्ष की अवधारणा स्पष्ट कीजिए।
Explain the concept of libretion in Indian Philosophy

अथवा / OR

''मायावाद'' को स्पष्ट कीजिए।
Explain the theory of Illusionism.

प्र. 3. बौद्धदर्शन का विस्तृत परिचय लिखिए।
Write the detail introduction of Buddhist Philosophy.

अथवा / OR

पग्वाश आन्दोलन का कार्य क्षेत्र क्या था?
What was the work area of Pugwash Movement?

प्र. 4. सप्त क्रांति पर एक लेख लिखें।
Write a note on 'Sapt Kranti'.

अथवा / OR

ग्रीन पीस' की विशेषताओं पर प्रकाश डालें।
Elucidate the significance of 'Green Peace.'

प्र. 5. पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में चिपको आन्दोलन का क्या योगदान था?
What was the contribution of Chipko movement in the field of environment protection?

अथवा / OR

नर्मदा बचाओ आन्दोलन पर विस्तार से लिखें।
Give a detailed note on 'Save Narmada Movement.'

♦♦♦

पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा – 2017

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष

विषय : अहिंसा एवं शान्ति

प्रथम पत्र – अहिंसा और शांति को समर्पित संस्थान एवं आन्दोलन

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. संयुक्त राष्ट्र संघ की संरचना का वर्णन करें।
Describe the structure of U.N.O.

अथवा / OR

विश्व शांति के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ का योगदान क्या है?
What is the contribution of U.N.O. for world peace?

प्र. 2. नोबल शांति पुरस्कार संस्था की विशेषता लिखें।
Write the characteristics of Nobal Peace Prize Institute.

अथवा / OR

सिपरी पर एक लेख लिखें।
Write a note on SIPRI.

प्र. 3. अणुव्रत विश्व भारती के कार्य क्या हैं?
What are the functions of Anuvarat Vishava Bharti?

अथवा / OR

पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा – 2017

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष

विषय : अहिंसा एवं शान्ति

द्वितीय पत्र – संघर्ष निराकरण, मानवाधिकार एवं अहिंसा प्रशिक्षण

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. संघर्ष के प्रकारों का वर्णन कीजिए।
Describe the types of conflict.

अथवा / OR

संघर्ष के स्वरूप से आप क्या समझते हैं? विध्वंसात्मक संघर्ष को समझाइये।
What do you mean by nature of conflict? Explain the destructive conflict.

प्र. 2. संघर्ष निराकरण की कूटनीतिक विधियों का वर्णन करें।
Describe the diplomatic methods of Conflict Resolution.

अथवा / OR

संघर्ष निराकरण में अभिवृत्ति परिवर्तन के महत्त्व को बताइये।
Explain the importance of attitude change in Conflict Resolution.

प्र. 3. सह अस्तित्त्व के स्वरूप का विस्तार से वर्णन करें।
Describe in detail the nature of Co-existence.

अथवा / OR

संघर्ष निराकरण में जैन विधि (अनेकान्त) किस प्रकार उपयोगी है? स्पष्ट करें।
How Jain technique (Anekant) is useful in Conflict Resolution? Explain.

प्र. 4. भारत में मानवाधिकारों की स्थिति पर अपने विचार लिखिए।
Write your views on status of Human Rights in India.

अथवा / OR

विश्व नागरिकता से आप क्या समझते हैं? वर्णन करो।
What do you understand by world citizenship? Describe.

प्र. 5. निम्न में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए–
Write short note on any two of following-

(अ) अहिंसा प्रशिक्षण / Training in Non-violence.

(ब) जीवन शैली परिवर्तन / Change in Life Style.

(स) व्यवस्था परिवर्तन / Structural Change.

(द) हृदय परिवर्तन / Change of Heart.

♦♦♦

प्र. 6. रस की परिभाषा देकर सभी रसों का सोदाहरण विवरण दीजिए। 9

अथवा

साठोत्तरी कविता का प्रमुख स्वर क्या है? इसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

♦♦♦

पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा – 2017

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष

विषय : हिन्दी साहित्य

प्रथम पत्र – आधुनिक काव्य साहित्य

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके सामने अंकित है।

प्र. 1. निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– **3 x 7 = 21**

(क) रंगभूमि के लिए कर्ण को, कौरव शंख बजाते
चले झूमते हुए खुशी में गाते, मौज मनाते।
कंचन के युग शैल–शिखर–सम सुगठित सुधर सवर्ण
गलबाहीं दे चले परस्पर दुर्योधन और कर्ण।
बड़ी तृप्ति के साथ सूर्य शीतल अस्ताचल पर से
चूम रहे थे अंग पुत्र का स्निग्ध–सुकोमल कर से।
आज न था प्रिय उन्हें दिवस का समय सिद्ध अवसान
बिरम गया क्षण एक क्षितिज पर गति को छोड़ विमान।

अथवा

लेकिन, यह होगा नहीं देवि ! तुम जाओ
जैसे भी हो, सुत का सौभाग्य मनाओ।
दे छोड़ भले ही कभी कृष्ण अर्जुन को
मैं नहीं छोड़ने वाला दुर्योधन को।
कुरूपति का मेरे रोम–रोम पर ऋण है
आसान न होना उससे कभी उऋण है।
छल किया अगर, तो क्या जग में यश लूँगा
प्राण ही नहीं, तो उसे और क्या दूँगा?

(ख) चिलचिलाती धूप को जो चाँदनी देवे बना।
काम पड़ने पर करें जो शेर का भी सामना।।
जो कि हँस-हँस कर चबा लेते हैं लोहे का चना।
है कठिन कुछ भी नहीं, जिनके है जी में यह ठना।।
कोस कितने ही चलें पर वे कभी थकते नहीं।
कौन सी है गाँठ जिसको खोल वे सकते नहीं।।

अथवा

स्वयं सुसज्जित करके क्षण में
प्रियतम को प्राणों के पण में
हमी भेज देती हैं रण में, क्षात्र धर्म के नाते।
सखि, वे मुझसे कहकर जाते।
हुआ न यह भी भाग्य अभागा
किस पर विफल गर्व अब जागा
जिसने अपनाया था, त्यागा, रहे स्मरण ही आते।
सखि, वे मुझसे कहकर जाते।

(ग) किंतु ऐ दोस्त
इनको मैं क्या कहूँ.....
जो मौत की खोज में
अपनी अपनी बंदूकें, मशीनगने लिए हुए
नदियों, पहाड़ों, बियाबानों, सुनसानों में
फटेहाल, भूखे-प्यासे
टकराते फिरते हैं
दूसरे की आज्ञा पर
चंद पैसों के वास्ते।

अथवा

राजा जागे।
समाधिस्थ संगीतकार का हाथ उठा था-
काँपी थीं उँगलियाँ।
अलग अँगड़ाई लेकर मानो जाग उठी थी वीणाः
किलक उठे थे स्वर शिशु।
नीरव पद रखता जालिक मायावी
सधे करों से धीरे-धीरे-धीरे
डाल रहा था जाल हेम-तारों का।

प्र. 2. स्पष्ट कीजिए कि रश्मिरथी आधुनिक युग चेतना का काव्य है। **10**

अथवा

रश्मिरथी की कथा वस्तु का सर्गानुसार परिचय दीजिए।

प्र. 3. महादेवी वर्मा की विरहानुभूति की विशेषताएँ बताइए। **10**

अथवा

मुक्तिबोध के काव्य की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

प्र. 4. अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की कृतियों के आधार पर उनकी काव्य साधना पर प्रकाश डालिए। **10**

अथवा

गीतिकाव्य की दृष्टि से सुमित्रानंदन पंत के काव्य की समीक्षा कीजिए।

प्र. 5. भारतेंदु युग के काव्य और उसकी प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए। **10**

अथवा

प्रगतिवाद का अर्थ स्पष्ट करते हुए प्रगतिवादी कविता की विशेषताएँ बताइए।

पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा – 2017

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष

विषय : हिन्दी साहित्य

द्वितीय पत्र – प्रयोजनमूलक हिन्दी

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक सामने अंकित है।

प्र. 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **3 x 15 = 45**

(क) प्रयोजनमूलक हिन्दी और व्यवहारिक हिन्दी के अर्थ को स्पष्ट करते हुए प्रयोजनमूलक हिन्दी की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

जनसंचार के माध्यमों को स्पष्ट करते हुए विद्युतीय (श्रव्य–दृश्य) संचार माध्यमों की विवेचना कीजिए।

(ख) पत्र के अर्थ व स्वरूप को स्पष्ट करते हुए सरकारी पत्राचार के प्रकार का विस्तृत वर्णन करिए।

अथवा

समाचार माध्यम की दृष्टि से संपादन को स्पष्ट करते हुए इसके अन्तर्गत समाहित विषयों का विवेचन कीजिए।

(ग) 'अनुवाद' शब्द की व्युत्पत्ति बताते हुए अनुवाद समीक्षा के उद्देश्यों पर प्रकाश डालिये।

अथवा

महत्त्वपूर्ण प्रेस कानूनों पर प्रकाश डालते हुए विभिन्न अधिनियमों का उल्लेख कीजिये।

प्र. 2. निम्नलिखित लघूत्तरी प्रश्नों में से किन्हीं पाँच के उत्तर दीजिए– **5 x 3 = 15**

(i) कम्प्यूटर शब्द कैसे बना व ये कितने प्रकार के होते हैं?

(ii) साहित्यिक हिन्दी किसे कहते हैं? इसके प्रमुख तत्त्व बताइये।

(iii) संचार भाषा की परिभाषा एवं भेद बताइये।

(iv) प्रुफ रीडर की आवश्यक सावधानियां क्या हैं?

(v) हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की क्या भूमिका है?

(vi) इलेक्ट्रोनिक पत्रकारिता के विभिन्न माध्यम बताइये।

(vii) पारिभाषिक शब्दावली के अपेक्षित गुण लिखिए।

प्र. 3. निम्नलिखित अति लघूत्तरी प्रश्नों में से किन्हीं दस के उत्तर दीजिए– **10 x 1 = 10**

(i) संश्लेषण से क्या अभिप्राय है?

(ii) समाचार की परिभाषा लिखिए।

(iii) रेडियो का आविष्कारक किसे माना जाता है?

(iv) इंटरनेट के उपकरण कौन–कौन से हैं?

(v) डाटा प्रोसेसिंग क्या है?

(vi) पारिभाषिक शब्दों का निर्माण कैसे होता है?

(vii) प्रेस विज्ञप्ति कब जारी होती है?

(viii) ज्ञापन से क्या अभिप्राय है?

(ix) प्रतिवेदन का क्या अर्थ है?

(x) पत्रकार की दो प्रमुख विशेषताएं बताइये।

(xi) स्क्रिप्ट संपादन किसे कहते हैं?

(xii) अनुवाद शब्द का अर्थ समझाइये।

(xiii) लॉजिकल डाटा किसे कहते हैं?

(xiv) मसौदा–लेखक से क्या अभिप्राय है?

(xv) अन्तरभाषिक अनुवाद किसे कहते हैं?

♦♦♦

My love reminds the starved ones I am loved
and I a louse?

(vii) Surely some revelation is at hand;
Surely the Second Coming is at hand.
The Second Coming.

Q. 2. Write a critical appreciation of the poem "The Second Coming"?

OR

Describe the poet's mood of despair and sorrow in "Anthem for the Doomed Youth"? **10**

Q. 3. Describe the beauty of nature as present in the poem 'The West Wind' by John Masefield?

OR

Write a critical appreciation of the poem 'Journey of the Magi'? **10**

Q. 4. Bring out the element of indianness in 'Night of the Scorpion' by Ezekiel? **10**

OR

What is the central idea of "Very Indian Poem in Indian-English?

Q. 5. Draw a character-sketch of Amal from 'The Post Office.' **10**

OR

What are the major themes of RabindranathTagore's 'The Post Office'?

Q. 6. Do you feel that the title 'Sacrifice' is apt and suggestive of the action in the play. Discuss. 10

OR

Write a critical summary of the play 'Sacrifice' by Tagore.

♦♦♦

DISTANCE EDUCATION EXAMINATION - 2017

BACHELOR OF ARTS (B.A.) THIRD YEAR

SUBJECT - ENGLISH LITERATURE

PAPER - I : POETRY AND DRAMA

Time : 3.00 Hours. **M.M. 70**

Note : Attempt all questions.

Q. 1. Explain with reference to the context any four of the following extracts:- **20**

(i) I am standing for peace and non-violence.
Why world is fighting fighting
Why all people of world
Are not following mahatma Gandhi.

(ii) The new poets still quoted
the old poets, but no one spoke
in verse
of the pregnant women
drowned, with perhaps turns in her.

(iii) What passing- bells for these who die as cattle?
Only the monstrous anger of the guns.
Only the shattering rifles rapid rattle
Can patter out their hasty orisons.

(iv) The blood-dimned tide is loosened, and every where.
The ceremony of innocence is drowned;
The best lack of all comiction, while the worst
Are full of passionate intensity.

(v) More candles, more lanterns, more neighbours,
more insects, and the endless rain
My mother twisted through and through
groaning on a mat.

(vi) My limbs remind the crippled that I am whole
My coat, my scarf, remind the poor that I am warm

Q. 5. What do you know about Acharya Mahapragya? What is the perspective of religion according to him comment on this statement. **15**

OR

How does Sastri argue the case for india's independence?

Q. 6. Attempt any one of the following with reference to the context- **5**

Scientific progress is precarious and conditional if we are only learned without being truly cultured we became a danger to society. "Sa aksaro viparitative raksaso bhavati dhruvam" - he who is literate when invented becomes a demon.

OR

Man is a social animal and a society, wealth is very important in this context, economic progress is very important. If wants are limited, economic progress doesn't get its impetus. So for economic progress, the unlimited nature of wants is essential.

♦♦♦

DISTANCE EDUCATION EXAMINATION - 2017

BACHELOR OF ARTS (B.A.) THIRD YEAR

SUBJECT - ENGLISH LITERATURE

PAPER - II : PROSE AND FICTION

Time : 3.00 Hours **M.M. 70**

Note : Attempt all questions.

Q. 1. Write an essay on R.K. Narayan's use of irony and satire in "The Guide." **15**

OR

Write a critical appreciation of the novel 'The Guide."

Q. 2. Discuss major theme and style of Anita Desai's novel "Cry the peacock." **15**

OR

Write a character sketch of 'Maya' in Anita Desai's novel 'Cry the peacock.'

Q. 3. Mahabharata is a mythological Book retold by C. Rajagopalachari's. **10**

OR

Write the critical summary of C. Rajagopalachari's Mahabharata.

Q. 4. What makes Mahabharata an epic? Was it a Dharmayudha? **10**

OR

Describe Yudhisthiras final trial scene in your own words.

प्र. 5. निम्नांकित में से कोई दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **6**

(i) 'देव' शब्द के विभक्ति रूप एकवचन में (प्राकृत में) लिखिए।

(ii) लक्ष्मी शब्द के विभक्ति रूप बहुवचन में (प्राकृत में) लिखिए।

(iii) अपभ्रंश में मुणि शब्द के विभक्ति रूप एकवचन अथवा बहुवचन में लिखिए।

प्र. 6. दिए गए निर्देशानुसार प्राकृत में धातुरूप लिखिए (कोई 3)– **6**

(i) पव्वाल (भूतकाल)

(ii) जव (भविष्यत्काल)

(iii) सिह (वर्तमानकाल)

(iv) उव्विव (सम्बन्ध कृदन्त)

(v) जिण (हेत्वर्थ कृदन्त)

(vi) पल्हत्थ (विधि–आज्ञार्थक)

प्र. 7. निम्नांकित किन्हीं चार शब्दों/धातुओं का हिन्दी अर्थ लिखकर उनका प्राकृत वाक्यों में प्रयोग कीजिए :– **4**

(i) दट्ठूण (ii) तुरिओ (iii) बंधिज्जइ

(iv) डज्झइ (v) पुञ्जं (vi) अवस

(vii) जेप्पिणु (vii) आहइ

प्र. 8. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर प्राकृत भाषा में निबंध लिखिए– **20**

(i) जिणसासणे परमेट्ठिपयं (ii) पढमं णाणं तओ दया

(iii) सीसस्स करणीयं (iv) तित्थंकराणं माहप्पा

♦♦♦

पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा – 2017

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष

विषय : आगम विद्या एवं प्राकृत साहित्य

प्रथम पत्र – प्राकृत व्याकरण एवं रचना

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक सामने अंकित हैं।

प्र. 1. निम्नलिखित में से किन्हीं पांच: सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए– **10**

(i) स्यमोरस्योत्। (ii) शमेः पडिसा–पडिसामौ।

(iii) भ्रमेराडो वा। (iv) रूदिते दिना ण्णः।

(v) ही ही विदूषकस्य। (vi) तृनोऽण।

(vii) जश्शसोस्तुम्हे तुम्हइं। (viii) ग्रहेर्गृण्हः।

(ix) ज्ञो णव्व–णज्जौ। (x) तो दोनादौ शौरसेन्यामयुक्तस्य।

प्र. 2. निम्नांकित किन्हीं पांच क्रियाओं की रूप सिद्धि कीजिए– **10**
खम्मइ, णुव्व, विच्छोलइ, पक्खोडइ, जावेइ, कड्ढइ, भोत्ता, लिहिक्को–वञ्चदि, हणिज्जइ

प्र. 3. किन्हीं तीन रूपों में प्राकृत के द्यात्वादेश विधायक सूत्र अर्थसहित लिखिए – **6**
ओहामइ, परिवाडेइ, ढुण्ढुल्लइ, णिवहइ, उत्थल्लइ, अञ्चइ

प्र. 4. निम्नांकित में से किसी एक भाषा का परिचय देकर उदाहरण सहित विशेषताएँ लिखिए– **8**
(क) मागधी प्राकृत (ख) शौरसेनी प्राकृत

(vi) दुक्खाण (vii) समुद्दो (viii) पत्तं (ix) कस्स

प्र. 4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो गद्य/पद्यों का सप्रसंग अनुवाद करें– **2 x 4 = 8**

(i) गुणेहिं साहू अगुणेहिंऽसाहू
गिण्हाहि साहू गुण मुंचऽसाहू।
वियाणिया अप्पणमप्पएणं
जो रागदोसेहिं समो स पुज्जो।।

(ii) तएणं से तेत्तलिपुत्ते अमच्चे कणगज्झयस्स रण्णो
अंजलिं करेइ। 'तओ य णं' से कणगज्झए राया
अणाढायमाणे अपरियाणमाणे अणब्भुट्ठेमाणे परम्मुहे संचिट्ठइ।

(iii) समणं भगवं महावीरं वंदामो णमंसामो सक्कारेमो
सम्माणेमो कल्लाणं मंगलं देवियं चेइयं
पज्जुवासामो। एयं णे इहभवे परभवे य हियाए
सुहाए खमाए निस्सेयसाए अणुगामियत्ताए भविस्सइ।

प्र. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **2 x 10 = 20**

(i) किन्हीं दो शब्दों पर परिचयात्मक टिप्पणी लिखें–
(1)परमप्पयपयं (परमात्मा पद) (2) गिहिधम्मं (गृही–धर्म)
(3)बहुस्सुओ (बहुश्रुत)

(ii) पएसी–केसी–संवाद पयं के आधार पर जीव की शरीर से भिन्नता सिद्ध करें।

(iii) अतियारपयं (अतिचार पद) के आधार पर सम्यक्त्व के अतीचारों का निरूपण करें।

प्र. 6. निम्नलिखित में से किन्ही दो विषयों पर टिप्पणी लिखिए – **2x3½ = 7**

(i) अइमुत्ते (अतिमुक्तक) (ii) श्रुतसम्पदा व वाचनासंपदा

(iii) पण्णरस कम्मादाण (पन्द्रह कर्मादान)

प्र. 7. निम्नलिखित में से किन्हीं दो के उत्तर प्राकृतभाषा में लिखें – **2 x 5 = 10**

(i) अच्छेरगपयं (आश्चर्यपद) (ii) बहुस्सुए (बहुश्रुत)

(iii) मणोरहपयं (मनोरथपद)

♦♦♦

पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा – 2017

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष

विषय : आगम विद्या एवं प्राकृत साहित्य

द्वितीय पत्र – अर्द्धमागधी आगम एवं प्राकृत चरित साहित्य

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक प्रश्न के सामने अंकित हैं।

प्र. 1. (क) निम्नांकित गाथाओं में से किन्हीं दो का सप्रसंग अनुवाद कीजिए– **2x2=4**

(अ) मज्जं पिएइ जूयं रमेइ पिसियं महुं च भक्खेइ।
नडचेडनवेसाविंदपरिगओ भमइ पुरमज्झे।।

(ब) भवणधणं परिवारो सदणतुरयाइ संतियं मज्झे।
सव्वं तुज्झायत्तं विलससु हियइच्छियं कुमर।।

(स) ताव च्चिय होइ सुहं जाव न कीरइ पिओ जणो को वि।
पियसंग्मे जेण कओ दुक्खाण समप्पिओ अप्पा।।

(ख) निम्नांकित में से किसी एक गाथा की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– **1 x 6 = 6**

(अ) किं चलिउ व्व समुद्दो किं वा जलिओ हुयासणो धोरो।
किं पत्तं रिउसेन्नं तडिदंडो निवडिओ किं वा।।

(ब) सालीभरेण तोएण जलहरा फलभरेण तरूसिहरा।
विणएण य सप्पुरिसा नमंति न हु कस्स विभएण।।

प्र. 2. अगड़दत्त के साहसी व प्रतिभासम्पन्न व्यक्तित्व की विशेषताओं का निरूपण करें।

अथवा

अगड़दत्तचरित के रचयिता का परिचय प्रस्तुत करें। 10

प्र. 3. निम्नांकित में से किन्हीं पांच शब्दों पर व्याकरणात्मक टिप्पणियाँ लिखें– **1 x 5 = 5**

(i) जूयं (ii) पुरमज्झे (iii) विलससु (iv) हियइच्छियं (v) जेण

प्र. 3. किन्हीं पाँच सूत्रों की व्याख्या कीजिए– **5x2=10**

(i) आर्धधातुकस्येड् वलादेः (ii) माङि लुङ्

(iii) पुगन्तलघूपधस्य च (iv) सनाद्यन्ता धातवः

(v) अचो यत् (vi) दिवादिभ्यः श्यन्

प्र. 4. किन्हीं पाँच धातुरूपों की सिद्धि कीजिए– **5x2=10**

(i) भवति (ii) पपाठ

(iii) अगादीत् (iv) आतिष्यत्

(v) सेवते (vi) शेरते

प्र. 5. तव्यत्, अनीयर्, ल्युट्, यत् और तृच् प्रत्यय का प्रयोग करते हुए पाँच वाक्य बनाओं। **5x2= 10**

प्र. 6. संस्कृत में अनुवाद कीजिए– (दस वाक्यों का) **10x1=10**

(i) वह अग्नि में हवन करता है।

(ii) वह पिता से डरता है।

(iii) वह गाँव से आता हुआ सुगन्धित फूल वृक्ष से तोड़ता है।

(iv) नाविक नौका से नदी को पार करता है।

(v) मनुष्य धन से तृप्त नहीं होता।

(vi) राम के तुल्य श्याम है।

(vii) तुम्हारा जन्म कब हुआ था।

(viii) गुरू के जाने पर शिष्य आया।

(ix) सज्जन सब पर स्नेह करता है।

(x) मन सत्य से शुद्ध होता है।

(xi) तालाब में कमल खिल रहे हैं।

(xii) गुरू शिष्य को अहिंसा का उपदेश देता है।

प्र. 7. किसी एक विषय पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए– **5x1=5**

(i) परोपकारः (i) संघे शक्तिः कलौ युगे (i) आचारः परमो धर्मः

♦♦♦

पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा – 2017

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष

विषय : संस्कृत व्याकरण एवं साहित्य

प्रथम पत्र – संस्कृत व्याकरण एवं अनुवाद (कालु कौमुदी)

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक प्रश्न के सामने अंकित हैं।

प्र. 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **10 x 1 = 10**

(i) पाँच गणों के नाम लिखिए।

(ii) जुहोत्यादि गण की विशेषता बताइए।

(iii) कर्तृवाच्य और कर्मवाच्य का अन्तर बताइए।

(iv) भूतकाल में किन–किन लकारों का प्रयोग होता है।

(v) 'इणिकोर्गाः' सूत्र किसके स्थान पर क्या आदेश करता है।

(vi) परस्मैपद से सम्बन्धित विद् ज्ञाने धातु के लट्लकार (तिबादि) में विकल्प से क्या आदेश होता है।

(vii) परस्मैपद धातुओं के तिबादि में लगने वाले प्रत्ययों को लिखो।

(viii) 'पुत्रः भृत्येन मातरं सेवयति' वाक्य का अर्थ लिखो।

(ix) दिवादि गण की धातु और प्रत्यय के बीच में विकरण में क्या प्रयुक्त होता है।

(x) 'मस्जेरन्त्यात् पूर्वम्' सूत्र किसका आगम करता है।

प्र. 2. निम्नलिखित धातुओं के यथानिर्दिष्ट रूप लिखें– **3 x 5 = 15**

(i) अद् धातु तिबादि और णबादि

(ii) जागृक् धातु तिबादि और तुबादि

(iii) बन्धंश् धातु णबादि और तादि

प्र. 3. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच सूत्रों की व्याख्या कीजिए– **10**

(i) हुझसहाद्धिर्हेः (ii) अस्तेः सि सः (iii) ऊतः पिद्धसादेरीट्

(iv) रूधादेर्नुम् (v) हसान्नाहेरानः (vi) वो विधूनने जुक्

(vi) स्वपेरङि

प्र. 4 . निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच धातु रूपों की सिद्धि कीजिए– **10**

(i) अदन्ति (ii) अरूदिताम् (iii) जघान (iv) ब्रवीषि

(v) असावीत् (vi) मुञ्चति (vii) ततान (viii) दण्डयतु

प्र. 5. (i) ञिन्नत्त प्रक्रिया क्या है? उसके वैशिष्ट्य को बताइए। **15**

(ii) 'पुत्रः पुस्तकम् पठति' इस वाक्य को प्रेरणार्थक वाक्य में बदलो।

(iii) भू धातु का तिबादि में ञिन्नत्त रूप लिखो।

(iv) सन्नन्त प्रक्रिया क्या है? स्पष्ट कीजिए।

(v) 'सन्यनिटि दीर्घः' सूत्र का क्या अर्थ है।

प्र. 6. अनुष्टुप् छन्द का लक्षण सहित उदाहरण लिखो। **10**

♦♦♦

पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा – 2017

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष

विषय : संस्कृत व्याकरण एवं अनुवाद

प्रथम पत्र – संस्कृत व्याकरण एवं अनुवाद (लघु–सिद्धान्त कौमुदी)

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक प्रश्न के सामने अंकित हैं।

प्र. 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **10 x 1 = 10**

(i) 'घु' संज्ञा किसे कहते हैं?

(ii) 'निष्ठा' संज्ञा किसे कहते हैं?

(iii) सार्वधातुक प्रत्यय क्या है?

(iv) कर्तृ वाच्य, कर्म वाच्य और भाव वाच्य का परिचय दीजिए।

(v) भूतकाल में किन–किन लकारों का प्रयोग होता है?

(vi) 'मया ग्रन्थाः पठ्यन्ते' को कर्तृ वाच्य में बदलो।

(vii) परस्मैपद धातु के साथ प्रयुक्त होने वाले प्रत्ययों को लिखो।

(viii) 'अभ्यास' संज्ञा किसे कहते हैं?

(ix) कृत् और तिङ् प्रत्ययों के अन्तर बताओ।

(x) लघु संज्ञा किसकी होती है?

प्र. 2. किन्हीं तीन धातुओं के यथानिर्दिष्ट रूप लिखें– **3 x 5 = 15**

(i) गम् धातु – लोट् लकार और लुट् लकार

(ii) सेव् धातु – लङ् लकार और लृट् लकार

(iii) अद् धातु – लट् लकार और लोट् लकार

(iv) कृ धातु – लिट् लकार और लट् लकार

पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा – 2017

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष

विषय : संस्कृत व्याकरण एवं साहित्य

द्वितीय पत्र – काव्य कोश एवं इतिहास

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक प्रश्न के सामने अंकित हैं।

प्र. 1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पद्यों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए (कोई दो)– **2 x 5 = 10**

(क) मनीषिता सन्ति गृहेषु देवता–
स्तपः क्व वत्से ! क्व च तावकं वपुः।
पदं सहेत भ्रमरस्य पेलवं,
शिरीषपुष्पं न पुनः पतत्त्रिणः।।

(ख) यथा प्रसिद्धैर्मधुरं शिरोरूहै–
र्जटाभिरप्येवमभूत् तदाननम्।
न षट्पद – श्रेणिभिरेव पङ्कजं
सशैवलासङ्गमपि प्रकाशते।।

(ग) शिलाशयां तामनिकेत–वासिनीं
निरन्तरास्वन्तर–वात–वृष्टिषु।
व्यलोकयन्नुन्मिषितैस्तडिन्मयै–
र्महातपः – साक्ष्य इव स्थिताः क्षपाः।।

प्र. 2. पार्वती के चरित्र-चित्रण को समझाइये। **6**

प्र. 3. निम्नलिखित गद्य की सप्रसंग व्याख्या करें- **8**

अभिजातमहिमिव लङ्घयति। शूरं कण्टकमिव परिहरति। दातारं दुःस्वप्नमिव न स्मरति। विनीतं पातकिनमिव नोपसर्पति। मनस्विनमुन्मत्तमिवोपहसति।

अथवा

पुरः पताका सर्वाविनयानाम्। उत्पत्तिनिम्नगा क्रोधावेगग्राहाणाम्। आपानभूमिः विषयमधूनाम्। संगीतशाला भ्रूविकारनाट्यानाम्। आवासदरी दोषाशीविषाणाम्।

प्र. 4. शुकनासोपदेश के सार को संक्षेप में समझाइये। **6**

प्र. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पद्यों की सप्रसंग व्याख्या करें- **2x5=10**

(क) चण्डश्चण्डं गलमुपनतस्त्वां दशन् कौशिकोऽपि,
कोपाटोपं विपुलमुपयन् निश्चितं विस्मयेन।
संज्ञां लेभे प्रशमफलितां यन् महान् सेव्यमानः,
प्रत्यासत्त्या भवति निखिलाऽभीष्टसिद्धेर्निमित्तम्।।

(ख) श्रद्धाश्रूणि प्रकृतिमृदुता मानसोद्घाटनानि,
निःश्वासाश्चाखिलमपि मया स्त्रीधनं विन्ययोजि।
सानुक्रोशो मयि परमतः सैष भावी नवेति,
सापेक्षाणामपरमपरं स्याज्जगत्तत्परेषाम्।।

(ग) घोरे तापे सततमवहद् वाष्पधारा विचित्रं,
शैव्ये लब्धे भगवति पुनः सम्मुखीने क्षणेन।
सा संरुद्धा विरलतनवः केवलं बिन्दवस्ते,
तस्थुर्भिक्षा-ग्रहण-सरणिं स्वामिनो द्रष्टुमुत्काः।

प्र. 6. निम्नलिखित सूक्ति की व्याख्या कीजिए- **6**

भक्त्यादेशा प्रकृतिकृपणाऽकिञ्चनैर्निर्विशेषा

प्र. 7. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच शब्दों का अर्थ लिखिए- **5x1=5**

(i) शनैः (ii) कामम्
(iii) अस्ति (iv) दुष्ठु
(v) विहार (vi) ननु च
(vii) प्रायः

प्र. 8. निम्नलिखित श्लोक की पूर्ति कीजिए- **5**

आहो.....किमूत च।

प्र. 9. संस्कृत में व्याकरण के पुरोधा पाणिनी के योगदान को स्पष्ट कीजिए। **8**

अथवा

महाकवि माघ के प्रकृति-चित्रण को स्पष्ट कीजिए।

प्र. 10. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखें- **2x3=6**

(1) अश्वघोष (2) भारवि
(3) जयदेव (4) शूद्रक

♦♦♦

पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा – 2017

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष

विषय : राजनीति शास्त्र

प्रथम पत्र – पाश्चात्य प्रतिनिधि विचारक

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. आधुनिक साम्यवाद की प्लेटोनिक साम्यवाद से तुलना कीजिए।

Compare Platonic Communism and Modern Communism.

अथवा / OR

अरस्तु की अध्ययन पद्धति की विवेचना कीजिए।

Discuss the Study methodology of Aristotle.

प्र. 2. मध्यकालीन राजनीतिक चिन्तन पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

Write a short note on Medieval Political Thoughts.

अथवा / OR

'सेण्ट थॉमस एक्वीनास' मध्ययुग के दर्शन का सर्वश्रेष्ठ प्रवर्तक था। इस कथन की विवेचना कीजिये।

'Saint Thomas Acquinas was the greatest preacher of middle age philosophy. Discuss the statement.

प्र. 3. मानव प्रकृति पर मेकियावली के विचारों की विवेचना कीजिये।

Discuss Machiavelli's views on human nature.

अथवा / OR

सम्प्रभुता पर हाब्स के विचारों की विवेचना कीजिए।

Discuss Hobbes views on Sovereignty.

प्र. 4. स्वतंत्रता व प्रतिनिध्यात्मक लोकतंत्र के विषय में जे.एस. मिल के विचारों को स्पष्ट करें।

Discuss J.S. Mill's views on Liberty and Representative Democracy.

अथवा / OR

बेन्थम के उपयोगितावादी सिद्धान्त का परीक्षण कीजिए।

Examine Bentham's theory of utilitarianism.

प्र. 5. वर्ग संघर्ष के सम्बन्ध में कार्ल मार्क्स के विचारों का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये।

Critically analyse Karl Marx's ideas regarding class struggle.

अथवा / OR

टी.एच. ग्रीन के स्वतंत्रता सम्बन्धी विचारों का मूल्यांकन करें।

Examine T.H. Green's views on Liberty.

♦♦♦

पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा – 2017

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष

विषय : राजनीति शास्त्र

द्वितीय पत्र – अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध (1945 से आज तक)

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. द्वितीय विश्व युद्ध पश्चात् अर्न्तराष्ट्रीय राजनीति का स्वरूप बताइये।

Write a detailed essay on nature of international politics after Second World War.

अथवा / OR

अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति पर शीत युद्ध के प्रभाव का विस्तार से वर्णन करें।

Explain the effects of Cold War on international politics.

प्र. 2. देतान्त व्यवहार का अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति पर क्या प्रभाव पड़ा? स्पष्ट कीजिए।

Cleary the effects of Detention behaviour on International Relations.

अथवा / OR

गुटनिरपेक्ष आन्दोलन की प्रमुख उपलब्धियों का वर्णन कीजिए।

Describe the main achivements of Non-Aligned Movements.

प्र. 3. संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रमुख उद्देश्यों का वर्णन कीजिए।

Write about the main objectives of U.N.O.

अथवा / OR

संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा के संगठन कार्यों तथा शक्तियों का वर्णन कीजिए।

Describe about the organization, functions and powers of UNO's General Assembaly.

अथवा / OR

प्र. 4. भारत की विदेश नीति को समझाइए।

Explain the forign policy of India.

अथवा / OR

अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में दक्षिण एशिया का महत्त्व बताइये।

Explain the importance of South Asia in International Politics.

प्र. 5. संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए (कोई दो)

Write short notes (any two)

(अ) निःशस्त्रीकरण / Disarmament

(ब) पंचशील / Panchsheel

(स) सी.टी.बी.टी. / C.T.B.T.

(द) गुटनिरपेक्षता / NAM

♦♦♦

अथवा / OR

अवधान के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

Throw Light on the Formation of Attention.

प्र. 4. संवेग के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उसके प्रकार बताइये।

Explain the nature of emotion and its types.

अथवा / OR

अभिप्रेरणा के प्रकारों पर प्रकाश डालिये।

Clear the types of Motivation.

प्र. 5. वैयक्तिक भिन्नताओं के कारणों पर प्रकाश डालिये।

Explain about the reasons of personal difference.

अथवा / OR

प्राण के स्वरूप पर प्रकाश डालिये।

Throw Light on the nature of vital energy.

♦♦♦

पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा – 2017

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष

विषय : जीवन विज्ञान

प्रथम पत्र – जीवन विज्ञान का आध्यात्मिक एवं मनोवैज्ञानिक आधार

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 50**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. जीवन विज्ञान के लक्ष्य एवं उद्देश्य पर प्रकाश डालिये।

Throw Light on the aims and objectives of Science of Living.

अथवा / OR

आध्यात्मिक दृष्टि से शरीर के महत्त्व को बताऐं।

Explain the importance of the body by the spiritual view.

प्र. 2. श्वास के मनोवैज्ञानिक आधार को समझाइये।

Explain the Psychological base of breath.

अथवा / OR

चित्त के आध्यात्मिक पक्ष को समझाइये।

Explain the spiritual part of Psyche.

प्र. 3. बुद्धि के मनोवैज्ञानिक आधार को समझाइये।

Explain the Psychological base of Intelligence.

पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा – 2017

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष

विषय : जीवन विज्ञान

द्वितीय पत्र – प्रेक्षाध्यान : व्यक्तित्व विकास

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 50**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. व्यक्तित्त्व का अर्थ व परिभाषा बताते हुए व्यक्तित्त्व के विकास पर प्रकाश डालें?

Throw light on personality development while explaining the meaning & definition of Personality.

अथवा / OR

अन्तर्द्वन्द्व और व्यक्तितत्त्व को विस्तार से समझाइये।

Explain "Internal conflict and Personality" in detail.

प्र. 2. समय प्रबन्धन से होने वाले आत्म विकास को समझाइये।

Explain the self development happening due to Time Management.

अथवा / OR

अखण्ड व्यक्तित्व हेतु प्रेक्षाध्यान की भूमिका बताइये।

Describe the role of Preksha Meditation in development of Integrated personality.

प्र. 3. तनाव प्रबंध के कारण व स्वरूप को स्पष्ट करें।

Clarify the nature and causes of Stress Management.

अथवा / OR

आहार प्रबन्धन पर एक लेख लिखिए।

Write an essay on Food Management.

प्र. 4. भावनात्मक विकास में लेश्याध्यान की महत्ता समझाइये।

Focus on importance of Color Meditation in emotional development.

अथवा / OR

आत्मविश्वास के अर्थ व स्वरूप को विस्तार से बताए।

Explain the meaning and nature of Self Confidence.

प्र. 5. लक्ष्य निर्माण पर निबन्ध लिखिए।

Write an essay on Goal Management.

अथवा / OR

लेखन क्षमता को विस्तार से समझाइये।

Explain the "Writing skill" in detail.

♦♦♦

पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा – 2017

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष

विषय : इतिहास

प्रथम पत्र – आधुनिक भारत का इतिहास (1740 से 1956 तक)

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. पानीपत के तृतीय युद्ध के कारणों और परिणामों की विवेचना कीजिए।
Discuss the causes and results of the Third Battle of Panipat.

अथवा / OR

मराठा शक्ति के उत्थान एवं पतन पर एक निबन्ध लिखिए।
Write an essay on the rise and downfall of Maratha Power.

प्र. 2. ऑग्ल–मैसूर युद्धों के कारणों एवं परिणामों की विवेचना कीजिए।
Discuss the causes and results of Anglo-Mysore wars.

अथवा / OR

रणजीतसिंह के चरित्र का मूल्यांकन कीजिए।
Evaluate the character of Ranjit Singh.

प्र. 3. रैयतवारी व्यवस्था के गुण–दोषों की विवेचना कीजिए।
Discuss the merits and demerits of Ryavatwari System.

अथवा / OR

1857 के विद्रोह के कारणों और परिणामों का विश्लेषण कीजिए।
Analyse the causes and results of the Uprising of 1857.

प्र. 4. अंग्रेजों की धन निष्कासन नीति के परिणामों को लिखिए।
Write the results of Drain of Wealth Policy of the British.

अथवा / OR

1919 ई. के भारत शासन अधिनियम की विशेषताएँ क्या थीं?
What were the features of Government of India Act. 1919?

प्र. 5. सविनय अवज्ञा आन्दोलन का वर्णन कीजिए। यह आन्दोलन किस सीमा तक सफल रहा।
Give a detailed account of civil disobedience movement. So what extent it was successful.

अथवा / OR

1950 के भारतीय संविधान की मुख्य विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।
Explain the main features of the Indian Constitution of 1950.

♦♦♦

पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा – 2017

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष

विषय : इतिहास

द्वितीय पत्र – आधुनिक विश्व का इतिहास (1740 से 1956 तक)

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. पुनर्जागरण से क्या तात्पर्य है। पुनर्जागरण काल में यूरोप में कला एवं साहित्य में हुई प्रगति की विवेचना कीजिए।

What is the mean of Renaissance. Discuss the progress in the field of arts and literature.

अथवा / OR

प्रतिवादी धर्मसुधार आन्दोलन पर लेख लिखिए।

Write a note on counter Religious Reforms Movement.

प्र. 2. औद्योगिक क्रांति से क्या तात्पर्य है। इसके क्या कारण थे।

What is the mean of Industrial Revalution. Explain it's causes.

अथवा / OR

फ्रांस की क्रान्ति के कारणों की विवेचना कीजिये।

Discuss the causes of the French Revolution.

प्र. 3. इटली के एकीकरण में मैजिनी, काबूर एवं गैरीबाल्डी की भूमिका की विवेचना कीजिए।

Discuss the role of Maiginee, Kabur or Gairebaldi in unification of Itly.

अथवा / OR

फ्रांस की 1848 ई. की क्रांति पर लेख लिखिए।

Write note on French Revalution of 1848 A.D.

प्र. 4. अफ्रीका में साम्राज्यवाद के कारणों एवं परिणामों का वर्णन कीजिए।

Describe the causes and results of imperialism in Africa.

अथवा / OR

रूस की 1917 की क्रांति के कारणों का विवेचन कीजिए।

Explain the causes of Russion Revalution of 1917.

प्र. 5. द्वितीय विश्व युद्ध के मुख्य कारणों का वर्णन कीजिए।

Describe the main causes of Second World War.

अथवा / OR

राष्ट्र संघ पर लेख लिखिए।

Write a note on League of Nations.

♦♦♦